दुग्ध एक संपूर्ण आहार है : लक्ष्मीकांत

संवाद न्यूज एजेंसी

विश्व दुग्ध दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र में हुई ई-गोष्ठी

बागेश्वर। विश्व दुग्ध दिवस पर कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) काफलीगैर में ई गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी से में विवेकानंद पर्वतीय कृषि अनुसंधान संस्थान अल्मोड़ा के निदेशक डॉ. लक्ष्मीकांत ने कहा कि दुग्ध संपूर्ण आहार है। पर्वतीय क्षेत्र में परंपरागत रूप से पशुपालन किया जाता रहा है। इससे कृषकों की आर्थिकी मजबूत होती है।

संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. जेके बिष्ट ने पर्वतीय क्षेत्र में चारा

प्रबंधन के बारे में जानकारी देते हुए गेहूं की वीएल 829 प्रजाति, हाईब्रिड नेपियर और स्थानीय चारा वृक्ष भीमल, क्वैराल, बांज आदि के बारे में जानकारी दी।

सीवीओ डॉ. उदय शंकर ने पहाड़ी नस्ल की बद्री गाय के दूध की महत्ता और नस्ल के संरक्षण के बारे में बताया। पशु प्रजनन फार्म कालसी देहरादून के विशेषज्ञ डॉ. मयंक मैढाणी ने नस्ल सुधार की जानकारी देते हुए बताया कि पर्वतीय क्षेत्रों में विदेशी नस्ल जर्सी, देसी सिंधी नस्ल की संकर गाय पालने के लिए उत्तम जलवायु है। कृषि विज्ञान केंद्र के विषय वस्तु विशेषज्ञ डॉ. नवल किशोर सिंह ने पशुओं के खुरपका, मुंहपका, थनैला रोग, बांजपन प्रबंधन, संतुलित आहार की जानकारी दी। केंद्र के प्रक्षेत्र प्रबंधक मेदनी प्रताप सिंह ने पशुचारा एजोला घास उत्पादन करने की तकनीक बताई। केंद्र की कार्यक्रम सहायक निधि सिंह ने पनीर, खोया बनाने में बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में जानकारी दी। गोष्ठी में केवीके भारी डॉ. कमल कुमार पांडे, पर्वतीय अरण्य सेवा के निदेशक डॉ. पंकज कांडपाल, अरविंद निगम, मनोज भरड़ा, हरीश सिंह, मनोज कोरंगा समेत प्रगतिशील पशुपालकों ने भाग लिया।